जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 47 संख्याः 132 प्रभात बीकानेर, शुक्रवार 5 दिसम्बर, 2025 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रू.

अमेरिका को अंगूठा दिखाकर भारत पुतिन के स्वागत में लगा हुआ है

वर्तमान परिस्थितियों में भारत-रूस आलिंगन दोनों देशों के लिए सुख की अनुभूति है, क्योंकि दोनों देशों को अमेरिका ने काफी घायल किया है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 दिसम्बर। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के आगमन का भारत जश्न मना रहा है, जबकि यूक्रेन युद्ध के कारण पुतिन वैश्विक मंच पर लगभग 'अलग-थलग' पड़े हुए हैं। यह स्वागत कुछ हद तक अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प को चुनौती देने के लिए बड़ी शान-ओ-शौकत से किया जा रहा है।

फिलहाल भारत-रूस की नज़दीकियाँ दोनों देशों के लिए सुविधाजनक हैं। भारत को अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा व्यापार और टैरिफ के मसले पर कड़ा झटका लगा है। ट्रम्प ने अमेरिकी बाज़ार में आने वाले भारतीय उत्पादों पर कुल 50 प्रतिशत शुल्क लगा दिया, जिससे भारत के अधिकतर निर्यात अमेरिकी बाजार में मुकाबले के लायक नहीं रहे।

- **भारत के सामान पर ट्रंप की मनमर्जी से 50 प्रतिशत टैरिफ लगा हुआ है तथा रूस को आर्थिक व व्यावसायिक प्रतिबंध लगाकर अकेला तथा अलग-थलग पटकने का प्रयास किया है, पश्चिमी देशों ने। पर, भारत में भारी स्वागत से रूस को यह दिखाने का मौका मिल गया है कि पश्चिमी देशों का यह प्रयास पूर्णतया सफल नहीं है।**
- **पर, भारत-रूस के आलिंगन की गर्मी भारत की सामरिक दुर्बलता को छुपा नहीं पा रही। भारत, रूस पर पूरी तरह निर्भर सा हो गया है, रूस से हथियार की सप्लाई पर।**
- **पर, अगर भारत-चीन के बीच सीमा पर मतभेद व कहासुनी की घटना गंभीर हो गई और सामरिक युद्ध में परिवर्तित हो गई तो क्या रूस इन हथियारों की अनवरत सप्लाई जारी रख सकेगा?**

इसलिए भारत रूस के साथ अपने "विशेष रिश्ते" को एक कूटनीतिक ताकत (डिप्लोमैटिक एसैट) की तरह दिखाना चाहता है। दूसरी ओर, रूस पश्चिमी देशों से अलग-थलग होने के कारण यह दिखाना चाहता है कि उसकी भारत के साथ मजबूत साझेदारी इस बात का साफ सबूत है कि पश्चिमी देश रुस को डिप्लोमैटिक रुप से अलग-थलग करने में नाकाम रहे हैं।

तथापि, इस दोस्ती के पूरे प्रदर्शन और खास दोस्ती की बातें भारत की स्थिति की कई कमजोरियों को छुपाती हैं।

भारत अपनी रक्षा ज़रूरतों के लिए रूसी हथियारों और सैन्य प्रणालियों पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत में आज से लाँच होगा, "रशिया टुडे" नैटवर्क

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 दिसम्बर। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन की आज से शुरू हुई दो दिन की भारत यात्रा का एक दिलचस्प पहलू यह है कि शुक्रवार को वे "रशिया टुडे" वैश्विक नेटवर्क के भारतीय संस्करण "आरटी इंडिया" का शुभारंभ करेंगे, जिसमें सौ सदस्यीय स्टाफ होगा।

- **रूस के राष्ट्रपति पुतिन रूस के वैश्विक समाचार नैटवर्क, रशिया टुडे के भारतीय संस्करण "आर टी इंडिया" का उद्घाटन करेंगे। इसके लिए दिल्ली के एक फाइव स्टार होटल में अस्थायी स्टूडियो बनाया गया है।**

नई दिल्ली के एक पाँच सितारा होटल में एक अत्याधुनिक, लेकिन अस्थायी, स्टूडियो तैयार किया जा चुका है। "आरटी इंडिया" चार दैनिक समाचार कार्यक्रम प्रसारित करने की तैयारी में है। इसका उद्देश्य है: "भारत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'विदेशी प्रतिनिधियों को नेता प्रतिपक्ष से मिलने भी नहीं देते'

राहुल गांधी ने केन्द्र सरकार पर गंभीर असुरक्षा से ग्रस्त होने का आरोप लगाया

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 दिसम्बर। विपक्ष के नेता और वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्र की भाजपा सरकार पर असुरक्षा की भावना रखने और भारत आने वाले विदेशी मेहमानों को विपक्ष के नेता से मिलने की अनुमति नहीं देने का आरोप लगाया है।

- **राहुल ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी, मनमोहन सिंह व अन्य सभी प्रधानमंत्रियों के कार्यकाल के दौरान, यह परम्परा थी कि विदेशी प्रतिनिधियों की नेता प्रतिपक्ष से भी मीटिंग होती थी।**
- **राहुल ने आरोप लगाया कि जब से मोदी प्रधानमंत्री बने हैं इस परम्परा को हतोत्साहित किया गया है।**
- **संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए राहुल ने यह भी कहा कि जब वे विदेश जाते हैं तो विदेश मंत्रालय और भारतीय दूतावास उस देश की सरकार से नेता प्रतिपक्ष से नहीं मिलने का आग्रह करते हैं।**
- **राहुल ने कहा, विपक्ष भी देश की तरफ से ही बोलता है, पर, भाजपा तो विपक्षी दलों को भारत विरोधी मानती है।**

उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी, मनमोहन सिंह और अन्य पूर्व प्रधानमंत्रियों के समय में यह परंपरा थी कि भारत आने वाले विदेशी प्रतिनिधि विपक्ष के नेता से भी मिलते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा है। अब मोदी और उनकी सरकार का संकेत है कि ऐसा नहीं होना चाहिए, और ऐसी सभी मुलाकातों को हतोत्साहित किया जाता है।

संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए राहुल गांधी ने यह बात रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन की भारत यात्रा के संदर्भ में कही, और इस बात की ओर ध्यान दिलाया कि उनकी और पुतिन की मुलाकात का कोई कार्यक्रम तय नहीं किया गया है।

राहुल गांधी ने आगे कहा कि जब वे विदेश यात्रा पर जाते हैं, तो विदेश मंत्रालय और वहाँ का भारतीय दूतावास उस देश की सरकार को संकेत देते हैं कि वे विपक्ष के नेता से न मिलें। उन्होंने कहा कि यह सब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार के निर्देशों पर किया जाता है।

उन्होंने कहा कि विपक्ष भी देश की ओर से बात करता है और अपनी सोच साझा करता है, लेकिन मोदी को लगता है कि विपक्ष 'एंटी-इंडिया' है और उसे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाकिस्तान आशंकित पुतिन की भारत यात्रा से

उसका मानना है कि यह यात्रा केवल "डिप्लोमैटिक" औपचारिकता नहीं है, यह संकेत है, पुतिन की ओर से कि रूस को भारत की सैनिक क्षमताओं को और मजबूत करने में कोई हिचकिचाहट नहीं है

- सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 दिसंबर। पाकिस्तान, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा को गहरी चिंता के साथ देख रहा है। पाकिस्तान को लगता है कि यह दौरा क्षेत्रीय रणनीतिक संतुलन को भारत के पक्ष में और झुका सकता है। इस्लामाबाद के लिए भारत-रूस के बीच गहरे रक्षा सहयोग की उम्मीद, खासतौर पर इस साल की शुरुआत में हुए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान रूसी सिस्टम की प्रभावी भूमिका की रिपोर्टों के बाद बहुत परेशान करने वाली है। भारत द्वारा अतिरिक्त एस-400 सिस्टम लेना, उन्नत एस-500 प्लेटफॉर्म पर चर्चा करना, या पांचवीं पीढ़ी के सू-57 जैसे लड़ाकू विमानों पर

- **ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, रूस की एस-400 यूनिट की सफलता बड़ी उल्लेखनीय थी। अतः पाकिस्तान चिंतित है कि भारत और एडवांस्ड एस-500 यूनिट्स प्राप्त करने में सफल न हो जाए तथा आपसी बातचीत में रूस से फिफ्थ-जनरेशन सू-57 लड़ाकू विमान लेने के बारे में कुछ सहमति प्राप्त न कर ले।**

बातचीत शुरू करना, ये सभी संभावनाएँ पाकिस्तान की उस चिंता को बढ़ाती हैं कि उसकी पहले से कमज़ोर होती डिफैंस केपबिलिटी और भी कमज़ोर हो सकती है। पाकिस्तान की नज़र में यह यात्रा सिर्फ औपचारिक कूटनीति नहीं है, यह इस बात का संकेत है कि मॉस्को भारत की सैन्य ताकत को मजबूत करने के लिए और ज़्यादा तैयार है, ऐसे समय में जबकि, पाकिस्तान के अपने रणनीतिक विकल्प तेजी से घट रहे हैं।

इस माहौल में, ट्रम्प प्रशासन के तहत अमेरिका पुतिन की भारत यात्रा को चिंता और मजबूरी के मिले-जुले भाव से देख रहा है। वॉशिंगटन को भारत-रूस रक्षा रिश्तों में किसी नई तेजी से असहजता है, खासकर अगर एस-400 कार्यक्रम का विस्तार होता है या भारत अगली पीढ़ी की रूसी तकनीक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एसआई भर्ती 2021 में एसओजी ने एक और गिरफ्तारी की

जयपुर, 4 दिसम्बर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने राजस्थान की बहुचर्चित उपनिरीक्षक (एसआई) भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक कांड में अपनी कार्रवाई तेज करते हुए उस अभ्यर्थी को गिरफ्तार किया है, जिसने लीक हुए सॉल्व्ड पेपर को पढ़कर परीक्षा में बहुत ज्यादा अंक प्राप्त किए थे।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एसओजी विशाल बंसल ने बताया कि

- **आरोपी ने आठ लाख रूपए में सॉल्वड पेपर खरीदे थे।**

उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा 2021 के प्रकरण के जांच दौरान महेन्द्र कुमार चौधरी (34) निवासी सामोद जयपुर ग्रामीण की संलिप्तता सामने आई। जांच में पता चला कि चौधरी ने पेपर लीक के सरगना विनोद कुमार जाट उर्फ विनोद रेबाड़ से 8 लाख में सौदा किया और उसने 14 सितम्बर 2021 को परीक्षा से पूर्व दोनों पारियों के हल किए गए पेपर पढ़कर परीक्षा दी थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दस सालों से अटकी पनडुब्बी डील भी फाइनल हुई पुतिन के आने से पहले

भारत को 2 अरब डॉलर में दस साल की लीज़ पर एक न्यूक्लियर पावर्ड पनडुब्बी देगा रूस

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 दिसम्बर। भारत, रूस से एक न्यूक्लियर-पावर्ड पनडुब्बी को लीज़ पर लेने के लिए लगभग 2 बिलियन डॉलर का भुगतान करेगा, एक दशक से अधिक चली बातचीत के बाद आखिरकार पुतिन के नई दिल्ली आने के समय यह डील हुई है। हालांकि, यह पनडुब्बी प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए होगी और इसका इस्तेमाल किसी भी युद्ध में नहीं किया जा सकेगा।

रूस से हमलावर पनडुब्बी लीज़ पर लेने की बातचीत कई सालों तक मूल्य पर अटकी रही थी। पहचान उजागर करने से इन्कार करने वाले लोगों ने बताया कि अब दोनों पक्षों में इस समझौते पर सहमति बन गई है। नवंबर में भारतीय अधिकारियों ने रूस के एक शिपयार्ड का दौरा किया था। अब उम्मीद जताई जा रही है कि भारत को

- **लीज़ की शर्तों के अनुसार, युद्ध के लिए बनी इस पनडुब्बी का उपयोग भारत सिर्फ प्रशिक्षण के लिए ही कर सकेगा और इसकी मदद से अपने न्यूक्लियर बोट संचालन को और बेहतर बना सकेगा।**
- **भारत ने इससे पहले भी रूस से बोट दस साल की लीज़ पर ली थी, जिसे 2024 में लौटा दिया गया था।**

पनडुब्बी अगले दो वर्षों में मिल जाएगी, हालांकि परियोजना की जटिलता के कारण यह समय सीमा कुछ अधिक भी हो सकती है।

पुतिन गुरुवार को भारत आ रहे हैं, वर्ष 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण के बाद यह उनका भारत का पहला दौरा होगा। वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलेंगे और दोनों देशों के बीच रक्षा और ऊर्जा संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा करेंगे।

हाल के महीनों में मोदी ने रूस और चीन के साथ संबंधों को बढ़ावा दिया है, खासकर तब, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भारत के सामान पर 50 प्रतिशत की उच्च टैरिफ दरें लगा दी थीं। मोदी सरकार वर्तमान में अमेरिका के साथ एक व्यापार समझौते पर बातचीत कर रही है, ताकि इन शुल्कों को कम किया जा सके। ट्रंप ने रूस से तेल खरीदने के खिलाफ भारत पर दबाव बनाने के हिस्से के रूप में यह टैरिफ लगाया था, ताकि वह पुतिन से यूक्रेन में जारी संघर्ष को समाप्त करने के लिए दबाव बना सकें।

पुतिन की यात्रा से पहले, भारत के नौसेना प्रमुख डॉ. दिनेश के त्रिपाठी ने इस सप्ताह संवाददाताओं से कहा कि हमलावर पनडुब्बी की कमीशनिंग जल्द ही होने की उम्मीद है, हालांकि उन्होंने इसका विवरण नहीं दिया। यह पनडुब्बी भारतीय नौसेना के बेड़े में पहले से मौजूद दो पनडुब्बियों से बड़ी होगी।

भारत के विदेश मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय ने इस बारे में अधिक जानकारी के लिए भेजे गए ईमेलों का जवाब नहीं दिया। रूस के विदेश मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय और रोसोबोरोनएक्सपोर्ट ने भी इस पर कोई टिप्पणी नहीं की।

भारत ने न्यूक्लियर-कैपेबल पनडुब्बी-लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइल विकसित किए हैं, जो सिद्धांत रूप में उसे परमाणु हथियारों का "त्रिकोण" (जमीन, सागर और हवा) प्रदान करते हैं, जैसा कि न्यूक्लियर थ्रेट इनिशिएटिव (एनटीआई) की रिपोर्ट में बताया गया है।

न्यूक्लियर पावर्ड पनडुब्बियाँ डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों से कहीं अधिक श्रेष्ठ होती हैं। वे सामान्यतः बड़ी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पूर्व राज्यपाल स्वराज कौशल का निधन

नयी दिल्ली, 04 दिसंबर। जाने-माने अधिवक्ता एवं मिजोरम के पूर्व राज्यपाल स्वराज कौशल का गुरुवार को यहां निधन हो गया। वह 73 साल थे।

स्वराज का शाम साढ़े चार बजे लोधी रोड श्मशान घाट में अंतिम संस्कार कर दिया गया। उनकी पुत्री एवं नयी दिल्ली सीट से सांसद बांसुरी स्वराज ने उन्हें मुखाग्नि दी।

- **राष्ट्रपति मुर्मू, प्र.मंत्री मोदी और स्पीकर ओम बिड़ला ने स्वराज कौशल को श्रद्धांजलि दी। स्वराज कौशल भाजपा की जानी-मानी नेता स्व. सुषमा स्वराज के पति थे।**

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विदेश यात्रा के दौरान पुतिन का खुद का अलग खुफिया "सिक्यूरिटी" सिस्टम साथ चलता है

उनकी सिक्यूरिटी में स्नाइपर्स, ड्रोन ऑपरेटर, इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस विशेषज्ञ व कम्यूनिकेशन यूनिट्स होती हैं

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 दिसंबर। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन की भारत यात्रा ने एक बार फिर उनकी विदेश यात्रा से जुड़ी सख्त और गुप्त सुरक्षा व्यवस्थाओं पर ध्यान केन्द्रित किया है। जहां मेज़बान देशों द्वारा अपनी व्यवस्थाएं की जाती हैं, वहीं पुतिन की यात्राएं अत्यधिक सतर्कता, सख्त लॉजिस्टिक नियंत्रण और एक सुरक्षा नेटवर्क द्वारा परिभाषित होती हैं, जो अधिकांशतः सार्वजनिक नजरों से दूर रह कर काम करता है।

"फेडरल प्रोटेक्टिव सर्विस (एफएसओ)", जो रूस की सबसे गुप्त सुरक्षा एजेंसियों में से एक है, इन व्यवस्थाओं की देखरेख करती है और यह सुनिश्चित करती है कि परिवहन से लेकर व्यक्तिगत सुरक्षा तक हर विवरण सुरक्षित रहे।

पुतिन के नज़र आने वाले बॉडीगार्ड्स तो एक जटिल सुरक्षा नेटवर्क की सतह मात्र हैं।

- **उनकी सुरक्षा में लगे पर्सनल गार्ड, बड़ी बारीकी से चयनित सैनिक होते हैं, जिनकी आयु 35 वर्ष से कम होती है, शारीरिक दृष्टि से फिट, कॉम्बैट रैडी व दृढ़ संकल्पित होते हैं, जिनका बैकग्राउण्ड अच्छी तरह चैक किया हुआ होता है तथा वफादारी को भी कई बार "टैस्ट" किया जा चुका होता है।**
- **पुतिन का खाना बनाने वाले रसोइए, दस्ताने तो पहने हुए ही रहते हैं, उन्हें दिन में कई बार अपनी "ड्रेस" बदलनी होती है तथा उनकी रसोई में जाने वाले हर माल-मसाले का खूब निरीक्षण होता है और जहाँ भी पुतिन जाएं, चाहे वह बिज़नैस यात्रा हो या छुट्टियों में वेकेशन अथवा कोई प्राइवेट निजी आयोजन, यह सारी सुरक्षा टीम उनके साथ रहती है।**
- **एक असाधारण बात यह है कि पुतिन के बॉडी वेस्ट (मल-मूत्र आदि), एक सील्ड ब्रीफ केस में रखकर सीधे मॉस्को भेजा जाता है, जिससे कोई भी विदेशी खुफिया एजेंसी पुतिन के स्वास्थ्य के बारे में कोई आंकलन न लगा सके।**
- **वैसे स्वयं पुतिन मोबाइल फोन का उपयोग करने से परहेज रखते हैं और कई बार तो स्पेशल ट्रेन से ही यात्रा करते हैं।**

"मॉडर्न.एज़ैड" के अनुसार, एफएसओ, जिसे केजीबी प्रोटोकॉल द्वारा तैयार किया गया है, एक विशाल सुरक्षा तंत्र की देखरेख करती है।

उनके व्यक्तिगत गार्ड्स प्रैसिडैंशियल सिक्यूरिटी सर्विस से आते हैं, जिन्हें एक कठोर चयन प्रक्रिया के माध्यम से चुना जाता है। इस सेवा के उम्मीदवारों को 35 वर्ष से कम आयु का, 180 सेंटीमीटर से अधिक लंबा, शारीरिक रूप से फिट, मुकाबले के लिए हर क्षण तैयार और मानसिक रूप से सक्षम होना चाहिए। विदेशी भाषा कौशल, पृष्ठभूमि की गहन जाँच और वफादारी परीक्षण इनके लिए अनिवार्य होते हैं।

पूर्व बॉडीगार्ड ग्लेब कराकुलोव, जो 2023 में रूस से भाग गए थे, ने पुतिन की गोपनीय जीवनशैली का विवरण दिया, जिसमें मोबाइल फोन से दूर रहने और कभी-कभी विशेष ट्रेन से यात्रा करने का उल्लेख है। पुतिन के सुरक्षा नेटवर्क में स्नाइपर्स, ड्रोन ऑपरेटर, इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस विशेषज्ञ और संचार इकाइयाँ भी शामिल हैं।

रसोइयों के लिए प्राथमिक नियमों में अनिवार्य रूप से हाथों की जाँच, ग्लव्स पहनना और दिन में कई बार यूनिफॉर्म बदलना शामिल है। राष्ट्रपति की रसोई में आने वाली हर सामग्री का सावधानीपूर्वक परीक्षण किया जाता है। "मॉडर्न.एज़ैड" के अनुसार, इन कड़े नियंत्रणों के बावजूद, राष्ट्रपति के लिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महेश जोशी ने ईडी को पासपोर्ट सरेंडर किया

जयपुर, 4 दिसंबर। जल जीवन मिशन से जुडे 900 करोड रुपए के घोटाले से जुडे मामले में सुप्रीम कोर्ट से सशर्त जमानत मिलने के बाद पूर्व मंत्री महेश जोशी ईडी कोर्ट में पेश हुए। उन्होंने

- **सुप्रीम कोर्ट ने जोशी की जमानत पर यह शर्त लगाई थी।**

सुप्रीम कोर्ट की ओर से लगाई शर्त की पालना में ईडी कोर्ट में अपना पासपोर्ट सरेंडर कर दिया।

अदालत ने प्रकरण में 16 दिसंबर को सुनवाई रखी है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सुनवाई करते हुए महेश जोशी को सशर्त जमानत देते हुए कहा था कि वे ईडी कोर्ट में अपना पासपोर्ट सरेंडर करें और बिना अनुमति देश छोड़कर नहीं जाए।